PAPER-II
PRAKRIT

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ___________________________
   (Name) ______________________________
2. (Signature) ___________________________
   (Name) ______________________________

OMR Sheet No. : ....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No.________________________________
(In words)

J	9	1	1	2

Time : **1 $^1/_4$** hours] [Maximum Marks : **100**

Number of Pages in this Booklet : **8**	Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : (A) (B) ● (D)
   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Paper I Booklet only.** If you mark at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet and Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है ।
   उदाहरण : (A) (B) ● (D)
   जबकि (C) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पत्र I के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर प्रश्न-पुस्तिका एवं मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई अंक काटे नहीं जाएँगे ।**

PRAKRIT

प्राकृत

Paper – II

प्रश्नपत्र – II

Note : This paper contains **fifty (50)** objective type questions, each question carrying **two (2)** marks. **All** questions are compulsory.

नोट : इमम्मि पण्हपत्ते **पण्णासा** (50) बहु विकप्पियाणि पण्हाणि सन्ति । पत्तेगं पण्हं **दुवे** (2) अंकस्स अत्थि । **सव्वाणि** पण्हाणि कारियाणि त्ति ।

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास** (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न के **दो** (2) अंक हैं । **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. The description of ten house-holders is found in this āgama

दस सावगाणं वण्णणं अम्हि आगमे अत्थि

दस सद्गृहस्थों का वर्णन इस आगम में है

(A) समयसार

(B) व्याख्याप्रज्ञप्ति – सूत्र

(C) उपासकदशांग – सूत्र

(D) अनुयोगद्वार – सूत्र

2. The first chapter of 'Pravacanasāra' is named as

पवयणसारस्स पढ़मो अहिगारो इमं अत्थि -

प्रवचनसार का प्रथम अधिकार का नाम यह है

(A) चारित्राधिकार

(B) ज्ञाताधिकार

(C) ज्ञानाधिकार

(D) तत्त्वाधिकार

3. Digambara Jaina Āgamas are written in this language

दिगंबरजेणागमाणं भासा इमा अत्थि -

दिगंबर जैनागमों की रचना इस भाषा में हुई है

(A) महाराष्ट्री-प्राकृत

(B) अर्धमागधी-प्राकृत

(C) शौरसेनी-प्राकृत

(D) अपभ्रंश

4. Read the Unit-I and II for correct match :

पढ़मो-बीयो य खण्डाणं णिद्दोस-सम्मेलणत्थं पढिदव्वं :

प्रथम एवं द्वितीय इकाईयों के सही मिलान के लिए पढ़िये :

I	II
(a) द्रव्यसंग्रह	(i) कुन्दकुन्द
(b) प्रवचनसार	(ii) प्रवरसेन
(c) सन्मतितर्कप्रकरण	(iii) नेमिचंद्र
(d) सेतुबंध	(iv) सिद्धसेन

Choose the correct match from the following :

अहोलिहिदेसु समुचिद-मेलणं पगासय :

निम्नलिखित में से सही मिलान चुनिये :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(B)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(C)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(D)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)

5. The use of Kharoshthi script is found in

खरोष्ठी-लिपि इमम्हि पजुतं अत्थि

खरोष्ठी-लिपि का प्रयोग इसमें हुआ है

(A) हाथीगुम्फा-शिलालेख

(B) कक्कुक-शिलालेख

(C) मानसेहरा-शिलालेख

(D) गिरनार-शिलालेख

6. The Hero of Hāthigumphā inscription is

हाथीगुम्फा सिलालेहस्स णायगो इमो अत्थि :

हाथीगुम्फा-शिलालेख का नायक यह है

(A) सम्राट् अशोक

(B) सम्राट् सातवाहन

(C) सम्राट् खारवेल

(D) सम्राट चन्द्रगुप्त

7. The Hero of the Lilāvaikahā is

लीलावई महाकव्वस्स णायगो इमो अत्थि

लीलावई महाकाव्य का नायक है

(A) राजा सातवाहन

(B) राजा दुष्यन्त

(C) राजा चण्डपाल

(D) राजा कुमारपाल

8. The author of the Karpūramañjari is

कप्पूरमंजरी गंथस्स लेहगो इमो अत्थि

कर्पूरमंजरी का रचयिता है

(A) हरिभद्रसूरि

(B) राजशेखर

(C) प्रवरसेन

(D) सोमदेवसूरि

9. Rāmapāṇivada composed the Prākrit Khaṇḍakāvya in this century

रामपाणिवादेण पाइय खण्डकव्वाणि इमम्मि सदीये लिहिदाणि

रामपाणिवाद ने प्राकृत खण्डकाव्य इस शताब्दी में लिखे हैं

(A) चौदहवीं सदी

(B) बारहवीं सदी

(C) पन्द्रहवीं सदी

(D) अठारहवीं सदी

10. The Satkhaṇḍāgama is edited by

षट्खण्डागम संपादण कज्जं इमेण किदं

षट्खण्डागम का सम्पादन कार्य इन्होंने संपन्न किया है

(A) डॉ. नेमिचन्द्र शास्त्री

(B) डॉ. जगदीशचन्द्र

(C) डॉ. रामजी उपाध्याय

(D) डॉ. हीरालाल जैन

11. The first Arika of the Mṛcchakaṭikaṃ describes the

मृच्छकटिकं गंथस्स पढम अंके इमस्स वण्णणं अत्थि

मृच्छकटिकं के प्रथम अंक में इसका वर्णन है

(A) वसन्तवर्णन

(B) वर्षावर्णन

(C) चारुदत्त की दरिद्रता

(D) बसन्तसेना का भवन

12. This is not a Saṭṭaka

इमं सट्टकं णत्थि

यह सट्टक नहीं है

(A) रंभामंजरी

(B) लीलावई

(C) कर्पूरमंजरी

(D) सिंगारमंजरी

13. 'Pāiyalacchināmamālā' belongs to this period

'पाइयलच्छीनाममाला' – गंथस्स रयण/कालो अत्थि

'पाइयलच्छीनाममाला' – ग्रन्थ इस काल की रचना है

(A) छठी शताब्दी

(B) आठवीं शताब्दी

(C) दशमी शताब्दी

(D) बारहवीं शताब्दी

14. This is a treatise of Alaṃkāra category
इमं अलंकार गंथं अत्थि
यह अलंकार ग्रन्थ है
(A) कविदर्पण
(B) मृच्छकटिकं
(C) अष्टवाहुड
(D) वज्जालग्गं

15. The author of the 'Kuvalayamālākahā is
'कुवलयमालाकहा' गंथस्स लेहगो अत्थि
'कुवलयमालाकहा' के ग्रन्थकार हैं
(A) राजशेखरसूरि
(B) उद्द्योलनसूरि
(C) नेमिचन्द्रसूरि
(D) हरिभद्रसूरि

16. This work was composed in Jāvālipur
जावालिपुर णयरे इमं गंथं राइयं
जावालिपुर में इस ग्रन्थ की रचना हुई है
(A) समराइच्चकहा
(B) कुवलयमालाकहा
(C) कथाकोशप्रकरण
(D) निर्वाणलीलावतीकथा

17. The main characters in the 'Samarāiccakahā' are
'समराइच्चकहा' गंथस्स पमुह पत्ता संति
'समराइच्चकहा' के प्रमुख पात्र हैं
(A) चण्डसोम – मानभट
(B) गुणसेन – अग्निशर्मा
(C) श्रीपाल – धनदेव
(D) समुद्रदेव – धनदत्त

18. Vimalasūri is the Author of
विमलसूरी इमस्स गंथस्स लेहगो अत्थि
विमलसूरि इस ग्रन्थ के लेखक हैं
(A) सीयचरियं
(B) पउमचरिउ
(C) रामचरियं
(D) पउमचरियं

19. 'Śila' word is changed into Māhārāṣṭrī as
'शील' सद्द मरहट्ठम्मि इमं रुवेणं परिवट्टिओ होइ
'शील' शब्द महाराष्ट्री प्राकृत में इस प्रकार परिवर्तित होता है
(A) सील
(B) षील
(C) शील
(D) शिला

20. In Māgadhī 'ṭṭ' is changed into
मागहीए 'ट्ट' कारस्स एवं परिवट्टणं होइ
मागधी में 'ट्ट' इस प्रकार परिवर्तित होता है
(A) ड्ड
(B) ट्ट
(C) स्ट
(D) ष्ट

21. The date of Rājaśekhara is
राजसेहरस्स समयो अत्थि
राजशेखर का समय है
(A) 1000 ई.स्वी
(B) 600 ई.स्वी
(C) 1200 ई.स्वी
(D) 800 ई.स्वी

22. This vowel Sandhi is not applicable in Prakrit
पाइअम्मि इमाणसराण संधिस्स पओगो नत्थि
प्राकृत में इन स्वरों की सन्धि नहीं होती
(A) अ + इ
(B) आ + उ
(C) ए + अ
(D) ऊ + ऊ

23. The changing of 'Kirātaḥ' into 'Cilāo' is an rule of
'किरात:' सद्दस्स 'चिलाओ' रुवेण परिवट्टणं इमेण नियमेण अत्थि
'किरात' से 'चिलाओ' का परिवर्तन इस नियम में दृष्टव्य है
(A) मूर्धन्यीकरण
(B) तालव्यीकरण
(C) महाप्राणीकरण
(D) इनमें से कोई नहीं

24. Intervocalic 'ṭh' is changed into
सरमज्झट्ठाणे 'ठ' कारस्स किं परिवट्टणं होइ ?
स्वरमध्यवर्ती 'ठ' इसमें परिवर्तित होता है
(A) ट्ट
(B) थ
(C) ढ
(D) इनमें से कोई नहीं

25. Changing of ṛ into Prakrit is
'ऋ' कारस्स पाइअम्मि परिवट्टणं होइ
ऋ का परिवर्तन प्राकृत में इस प्रकार होता है
(A) अ, इ, उ
(B) अ, ऊ, रि
(C) आ, ए, ओ
(D) ऋ, ऐ, औ

26. In Paiśācī 'ṇ' is changed into
पइसाइए 'ण'कारस्स परिवट्टणं होइ
पैशाची प्राकृत में 'ण' का परिवर्तन इसमें होता है
(A) न (B) ण
(C) म (D) ञ

27. Māgadhī 'hage' corresponds to Sanskrit
मागही सद्दो 'हगे' सक्कय भासाए होइ
मागधी 'हगे' संस्कृत में इस प्रकार बनता है
(A) अहं
(B) अस्माकम्
(C) अस्मान्
(D) तुभ्यम्

28. The famous work of Ācārya Kundakunda is
आयरिय कुंदकुंदस्स प्रसिद्धा रयणा अत्थि
आचार्य कुन्दकुन्द की प्रसिद्ध रचना यह है
(A) गउडवहो
(B) समयसारो
(C) मोक्षशास्त्र
(D) आचारांगसूत्र

29. The language of Āyāraṅg Sutta is
आयारंग-सुत्तस्स भासा अत्थि
आयरंग-सुत्त की भाषा है
(A) शौरसेनी प्राकृत
(B) महाराष्ट्री प्राकृत
(C) पैशाची प्राकृत
(D) अर्धमागधी प्राकृत

30. The author of समराइच्चकहा is
समराइच्चकहा गंथस्स लेहगो अत्थि
समराइच्चकहा के लेखक हैं
(A) आचार्य गुणभद्र
(B) आचार्य कुंदकुंद
(C) आचार्य यशोभद्र
(D) आचार्य हरिभद्र सूरि

31. The discussion of Kesi and Gautama is found in this work
केसी-गोयम संवाद इमम्मि गंथे अत्थि
केसी-गोतम का संवाद इस ग्रंथ में वर्णित है
(A) आयारंग-सुत्त
(B) उत्तरज्झयण सुत्त
(C) उवासगदसंग सुत्त
(D) पवयणसार

32. The title of the twenty third chapter of Uttarādhyana Sūtra is
उत्तरज्झयणसुत्तस्स तेणीसा-अज्झयणस्स णामं अत्थि
उत्तराध्ययनसूत्र के तेबीसवें अध्ययन का नाम है
(A) विणयिज्जं
(B) केसीगोयमिज्जं
(C) नमिपव्वज्जा
(D) चित्तसंभूइज्जं

33. Number of Gāthas in द्रव्यसंग्रह is
दव्वसंगहे इत्तिए गाहाए होंति
द्रव्यसंग्रह में इतनी गाथाएँ हैं
(A) Fifty eight
(B) Sixty eight
(C) Forty
(D) Seventy five

34. 'उवओग' is the characteristic of
'उवओग' इमस्स लक्खणं अत्थि
'उवओग' इसका लक्षण है
(A) पुद्गल
(B) जीव
(C) आकाश
(D) काल

35. The Satthaparinnā deals with
सत्थपरिण्णाए विसओ अत्थि
सत्थपरिण्णा का विषय है
(A) शस्त्रज्ञान
(B) हिंसा
(C) समत्व
(D) मोक्ष

36. The birth-place of Ācārya Kundakunda is
आचरिओ कुंदकुंदस्स जम्मोट्ठाणं अत्थि
आचार्य कुन्दकुन्द का जन्मस्थान है
(A) वर्धमानपुर
(B) कोण्डकुन्दरपुर
(C) वीरभूमि
(D) मुलगुन्द

37. The commentators on 'Pavayaṇasāra' are
पवयणसारस्स टीकाकारो अत्थि
पवयणसार के टीकाकार हैं
(A) अकलंक-निकलंक
(B) हरिभद्र-अभयदेव
(C) पुष्पदन्त-भूतबलि
(D) अमृतचन्द्रसूरि-जयसेन

38. The 'Uttarajjhayaṇa' consists of
'उत्तरज्झयणम्मि एत्तियं अण्झयणं' अत्थि
'उत्तरज्झयण' में इतने अध्ययन हैं
(A) 36
(B) 3
(C) 13
(D) 23

39. केसी was the follower of
केसी अस्स अणुआई आसी
केशी इनके अनुयायी थे
(A) तीर्थंकर ऋषभदेव
(B) भगवान् कृष्ण
(C) तथागत बुद्ध
(D) तीर्थंकर पार्श्वनाथ

40. The language used in the preachings of Lord Mahāvīra is
महावीर सामिस्स उवयेसाणं भासा इमा अत्थि
भगवान महावीर के उपदेशों की भाषा यह है
(A) मागधी
(B) शौरसेनी
(C) अर्धमागधी
(D) महाराष्ट्री

41. Prakrit belongs to this language family of
पाइयं अस्स परिवारस्स भासा अत्थि
प्राकृत इस परिवार की भाषा है
(A) द्राविड
(B) यूरोपीय
(C) मध्यभारतीय आर्य
(D) सेमेटिक

42. The author of Setubandha is
सेतुबंधस्स लेहगो अत्थि
सेतुबन्ध का लेखक है
(A) हेमचन्द्र
(B) कालिदास
(C) प्रवरसेन
(D) कुन्दकुन्द

43. The meaning of "Mṛcchakatikaṃ" is
'मृच्छकटिक' ति सद्दस्स अट्ठो
'मृच्छकटिक' का अर्थ है
(A) मेरी कुटिया
(B) मिट्टी की गाड़ी
(C) आनन्दपूर्ण नाटक
(D) हास्यकाव्य

44. The author of the Gāhālakkhaṇa is
गाथालक्खण-गंथस्स लेहगो अत्थि
'गाथालक्खण' ग्रन्थ के लेखक हैं
(A) विरहांक
(B) धनपाल
(C) राजशेखर
(D) नंदिआढ्य

45. Kuvalayamālākahā text belongs to this type
कुवलयमालाकहा इमो कहा-गंथो अत्थि
कुवलयमालाकहा इस प्रकार की कथा है
(A) परिहासकथा
(B) सकलकथा
(C) संकीर्णकथा
(D) खण्डकथा

46. The second name of Nemichandrasuri is
नेमिचंदोसूरिस्स नामंतरं अत्थि
नेमिचन्द्रसूरि का अपर नाम है
(A) देवेन्द्रगणि
(B) संघदासगणि
(C) धनेश्वरसूरि
(D) अनन्तहंस

47. Which Prakrit is closed to Sanskrit in terms of linguistic characteristics ?
भासासत्थाणुसारेण किं पाइअं सक्कयस्स समीवे अत्थि ?
भाषावैज्ञानिक दृष्टि से कौन सी प्राकृत संस्कृत के अधिक समीप है ?
(A) मागधी
(B) शौरसेनी
(C) अर्धमागधी
(D) पैशाची

48. The language of Saṭṭaka is
सट्टकस्स भासा होइ
सट्टक की भाषा है
(A) संस्कृत
(B) देशी
(C) प्राचीन हिन्दी
(D) प्राकृत

49. Which one is written in Śaurasenī ?
सउरसेणी पाइअम्मि को गंथो लिहिओ अत्थि ?
शौरसेनी प्राकृत में लिखा कौन सा ग्रन्थ है ?
(A) पण्हवागरणं
(B) पंचास्तिकाय
(C) तत्त्वार्थसूत्र
(D) पउमचरियं

50. Sammaisutta is composed in this metre
सम्मइसुत्तं इमं छंदम्मि बिरइअं अत्थि
सम्मइसुत्त इस छन्द में रचित ग्रन्थ है
(A) गाथा
(B) उपजाति
(C) शिखरिणी
(D) वसन्ततिलका

Space For Rough Work